ख्वाजा ने बुलाया है- अजमेर को जाना है | By Shah Alam

ख्वाजा ख्वाजा बोल मंगता ख्वाजा ख्वाजा बोल
ख्वाजा ख्वाजा बोल मंगता ख्वाजा ख्वाजा बोल

ख्वाजा ने बुलाया है अजमेर को जाना है
कहता मेरे ख्वाजा का हर एक दीवाना है

तांगा है मेरा हाज़िर अजमेर ले जाऊँगा
ख्वाजा के रोज़े का दीदार कराऊंगा
बस काम मेरा उनकी नगरी पहुंचाना है
ख्वाजा ने बुलाया है अजमेर को जाना है

ख्वाजा ख्वाजा बोल मंगता ख्वाजा ख्वाजा बोल
ख्वाजा ख्वाजा बोल मंगता ख्वाजा ख्वाजा बोल

मेले का हसीं मंज़र, तारागढ़ ले जाऊं
ले जाऊं आना सागर तालाब मैं दिखलाऊँ
ऐ चिश्ती चलो सारे मौसंम क्या सुहाना है
ख्वाजा ने बुलाया है अजमेर को जाना है

तारिक़ पे करम उनका निस्बत को निभाते हैं
सदका अली हैदर का ख्वाजा जी लुटाते हैं
मंज़र है मदीने का कहता ये ज़माना है
ख्वाजा ने बुलाया है अजमेर को जाना है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%85%e0%a4%9c%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0/